



# भारत का राजपत्र The Gazette of India

असाधारण

EXTRAORDINARY

भाग II—खण्ड 3—उप-खण्ड (i)  
PART II—Section 3—Sub-section (i)

प्राधिकार से प्रकाशित

PUBLISHED BY AUTHORITY

सं०53 ]  
No.53]

नई दिल्ली, सोमवार, फरवरी 23, 1998/फाल्गुन 4, 1919  
NEW DELHI, MONDAY, FEBRUARY 23, 1998/PHALGUNA 4, 1919

वित्त मंत्रालय

(कम्पनी कार्य विभाग)

अधिसूचना

नई दिल्ली, 23 फरवरी, 1998

सा०का०नि० 85(अ).—केन्द्रीय सरकार, कंपनी अधिनियम, 1956 (1956 का 1) की धारा 337क की उप-धारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, भारत सरकार वित्त मंत्रालय (कम्पनी कार्य विभाग) की अधिसूचना संख्याक सा०का०नि० 603 (अ) तारीख 20 अक्टूबर, 1997 का संशोधन करती है और निदेश देती है कि उसमें निम्नलिखित संशोधन किया जाएगा, अर्थात्:—

उक्त अधिसूचना में, पैरा 1 में, मद (क) में, उपमद (ii), के स्थान पर निम्नलिखित उपमद रखी जाएगी, अर्थात्:—

(ii) किसी उधार लेने वाले को निम्नलिखित से अधिक ऋण या अग्रिम नहीं देगी:—

- (क) दो लाख रुपए, जहां ऐसी निधि या पारस्परिक फायदा सोसाइटी के सदस्यों से उसकी कुल जमा रकम 2 करोड़ रुपए या उससे कम है;
- (ख) कुल जमा का एक प्रतिशत या सात लाख 50 हजार रुपए, जो भी कम हो, जहां ऐसी निधि या पारस्परिक फायदा सोसाइटी के सदस्यों से उसकी कुल जमा रकम दो करोड़ रुपए से अधिक है किन्तु बीस करोड़ रुपए से अधिक नहीं, या उससे कम है;
- (ग) 12 लाख रुपए, जहां ऐसी निधि या पारस्परिक फायदा सोसाइटी के सदस्यों से उसकी कुल जमा रकम 20 करोड़ रुपए से अधिक है किन्तु 50 करोड़ रुपए से अधिक नहीं या उससे कम है;
- (घ) 15 लाख रुपए, जहां ऐसी निधि या पारस्परिक फायदा सोसाइटी के सदस्यों से उसकी कुल जमा रकम पचास करोड़ से अधिक है।

परन्तु यह कि कोई निधि या पारस्परिक फायदा सोसाइटी से उधार लेने वाले को 7 लाख 50 हजार से अनधिक के ऋण का अग्रिम नहीं देगी, यदि ऐसी निधि या पारस्परिक फायदा सोसाइटी ने पिछले वर्षों में कोई लाभ नहीं कमाया है।

[फा०सं०1/3/98-सीएल-वी]

आर०डी० जोशी, संयुक्त सचिव।

पिछली अधिसूचना इस विषय पर :

सा०का०नि०सं० 603(अ)[फा०सं०37/88/97-सी०एल०-III]

दिनांक 20-10-1997.



**MINISTRY OF FINANCE**  
**(Department of Company Affairs)**

**NOTIFICATION**

New Delhi, the 23rd February, 1998

**G.S.R. 85(E).**—In exercise of the powers conferred by sub-section (1) of section 637A of the Companies Act, 1956 (1 of 1956), the Central Government hereby amends the notification of the Government of India in the Ministry of Finance (Department of Company Affairs) number G.S.R. 603 (E) dated the 20th October, 1997 and directs that the following amendments shall be made therein, namely :—

In the said notification, in paragraph 1, in item.—(a) for sub-item (ii), the following sub-item shall be substituted, namely:—

"(ii) give to any borrower loans or advances exceeding.—

- (A) two lakhs rupees, where the total amount of deposits of such Nidhi or Mutual Benefit Society from its members are two crores rupees or less;
- (B) one percent of the total deposits or seven lakhs fifty thousand rupees, whichever is less, where deposits of such Nidhi or Mutual Benefit Society from its members are more than two crores rupees but are twenty crores rupees or less;
- (C) twelve lakhs rupees, where the deposits of such Nidhi or Mutual Benefit Society from its members are more than twenty crores rupees but are fifty crores rupees or less;
- (D) fifteen lakhs rupees, where the deposits of such Nidhi or Mutual Benefit Society from its members are more than fifty crores rupees.

Provided that no Nidhi or Mutual Benefit Society shall give to any borrower loans and advances exceeding seven lakhs fifty thousand rupees if such Nidhi or Mutual Benefit Society had not made profits in the three preceding years.

[F.No. 1/3/98-CL.V.]

R.D.JOSHI, Jt.Secy.

Previous notification on the subject :—

1. GSR No. 603 (E) [F.No. 37/88/97-CL III]

Dated 20.10.1997.